



RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28



पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

वहीं, आग की चपेट में आने से चौथी मंजिल पर रखा फर्नीचर जलकर राख हो गया। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

Harsh
MeDia

अब हर नज़र आपके Brand पर !

- **Branding consultancy**

8253029444 | 8435918888



www.harshmediaadvertisers.com

info.harshmedia@gmail.com

harsh_media_advertisers

संपादकीय

खतरे की आहट

भारत के मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों का प्रदर्शन

कोर औद्योगिक क्षेत्रों के प्रदर्शन के ताजा आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में औद्योगिक स्तर पर भले ही तेजी चल रही हो, लेकिन इसके टिकाऊपन को लेकर सवाल बने हुए हैं। सितंबर 2026 में ‘कोर उद्योगों के सूचकांक’ में वृद्धि चालू सीरीज के उच्चतम स्तर 7.9 फीसदी पर पहुंच गयी। यह प्रदर्शन में बेहतरी का लगातार दूसरा महीना है। ऐसी किसी भी बेहतरी पर खुश होना चाहिए, लेकिन इसके पीछे के कारणों पर गहराई से नजर डालना भी जरूरी है। सितंबर में कोयला क्षेत्र में वृद्धि अचानक उछलकर 10.7 फीसदी पर पहुंच गयी। इस तेज उछाल के अप्रत्याशित और

“ सितंबर में कोयला क्षेत्र में वृद्धि अचानक उछलकर 10.7 फीसदी पर पहुंच गयी। इस तेज उछाल के अप्रत्याशित और असामान्य होने की पुष्टि इस बात से होती है कि अप्रैल से सितंबर 2026 की अपेक्षाकृत लंबी अवधि में इस क्षेत्र में 1.1 फीसदी का संकुचन आया था। सितंबर में कोयला क्षेत्र में वृद्धि संभवतः एक अस्थायी उछाल थी, जिसे सांख्यिकीय निम्न आधार (लो बेस) ने और बढ़ा दिया। इसमें ज्यादा बड़ी भूमिका भीषण गर्मी के बीच कोयले के घटते स्टॉक के कारण बिजली संयंत्र संचालकों की ओर से दबाव की थी। सितंबर में बिजली क्षेत्र 11.4 फीसदी बढ़ा, जिसके साथ एक ऐसी छमाही पूरी हुई जिसमें दहाई अंकों वाली वृद्धि हावी रही। बिजली के लिए कोयले की मांग में आयी यह तेजी संभवतः खत्म हो जायेगी, खासकर इसलिए कि जिस अल नीनो की वजह से भीषण गर्मी पड़ी थी, अब उसी के चलते सर्दी भी कम पड़ेगी। एक अन्य क्षेत्र जहां कोयले का भारी इस्तेमाल होता है, वह है इस्पात क्षेत्र। इसमें सितंबर में तेजी रही, लेकिन इतनी नहीं कि कोयला क्षेत्र के सितंबर के उत्पादन स्तर को बनाये रखा जा सके। हालांकि, इस्पात में तेजी के परिणामस्वरूप लौह अयस्क क्षेत्र में दहाई अंकों वाली वृद्धि की वापसी हुई, जो ज्यादा व्यापक ‘औद्योगिक उत्पादन सूचकांक’ के खनन घटक के लिए शुभ संकेत हो सकता है।

सितंबर में रिफाइनरी आउटपुट बढ़कर 10.3 फीसदी हो गया। इसका मतलब है कि रिफाइनरियां महंगे आयातित तेल का लगातार ज्यादा प्रसंस्करण कर रही थीं। सितंबर में भारत का तेल आयात मात्रा के हिसाब से 7 फीसदी बढ़ा, लेकिन तेल के ऊंचे भाव के चलते मूल्य के हिसाब से 47 फीसदी उछल गया। यह स्थिति और खराब होने वाली है। सऊदी अरब के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों ने वैश्विक तेल की कीमतों को पहले ही 112 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है, जो लगभग छह महीनों का उच्चतम स्तर है। रूसी तेल के आयात से जुड़े संभावित टैरिफ पर अमेरिका से मिली राहत भारत को एक भरोसेमंद स्रोत मुहैया कराती है, लेकिन दाम में छूट के दिन कब के लंद चुके हैं। यह ऊंची कीमतों का दौर है और हर आयातित बैरल भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटा रहा है, जिसका इस्तेमाल रुपये की संभालने के लिए भी किया जा रहा है। सीमेंट और इस्पात की केवल ऐसे कोर क्षेत्र हैं जो टिकाऊ ढंग से बढ़ रहे हैं और वे भी बुनियादी ढांचा पर किए जाने वाले सरकारी खर्च पर निर्भर हैं। ऐसे समय में जब औद्योगिक उत्पादन को केवल अस्थायी रूप से सहारा दिया जा रहा है, सरकार के पास उपलब्ध वित्तीय गुंजाइश तेजी से सिमट रही है।

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है।

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डबवर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके



आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को ‘संयुक्त राष्ट्र दिवस’ मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए

इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उल्का जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए

विचार

फसल संरक्षण व सेहत सुरक्षा हो प्राथमिकता

ज्ञानेन्द्र रावत

भारत अलनीनो के कारण सर्वाधिक जोखिम वाले देशों में शामिल है।

वलाइमेट ट्रेड्स के मुताबिक, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अलनीनो और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव खेती से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ष 2050 तक इन दोनों के मिले-जुले प्रभाव से वैश्विक फसल पैदावार आधार स्थिति की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत तक घट सकती है।

अलनीनो भयावह खतरे का सबब बनता जा रहा है। दुनिया के मौसम विज्ञानियों ने अलनीनो के खतरनाक स्तर को ‘सुपर-डुपर अलनीनो’ नाम दिया है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य वर्षों की तुलना में सुपर-डुपर अलनीनो के कारण अगले छह महीनों में दुनिया भर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

अलनीनो पहले से गर्म होती जलवायु पर अपना असर दिखा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में तापमान के रिकॉर्ड टूटने की संभावना बढ़ रही है। इस बार फरवरी में ही गर्मी दस्तक दे सकती है। सुपर अलनीनो के प्रभाव से आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर सतह का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। अनुमान है कि अगले 20 वर्षों तक तापमान का यही रुझान देखने को मिल सकता है। विश्व मौसम संगठन की हालिया चेतावनी के मुताबिक, अलनीनो फरवरी 2027 तक बना रह सकता है। ऐसी स्थिति में इसका असर भारत में अगले मानसून की शुरुआत तक रहने की संभावना है। चिंता की बात यह है कि यह सर्दियों की बारिश और तापमान को भी प्रभावित कर सकता है। यही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में तापमान और बारिश के पैटर्न पर भी इसका असर पड़ सकता है। नतीजतन, कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है, तो कहीं सामान्य से



अधिक बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

दरअसल, विश्व मौसम संगठन के पूर्वानुमान के मुताबिक, नवंबर महीने में तापमान के चरम पर पहुंचने की संभावना जताई गई थी। लेकिन अब प्रशांत महासागर में भूमध्य रेखा के पास समुद्र का तापमान सामान्य से तीन गुना अधिक है और इसमें तेजी से बढ़ती रही की आशंका है। समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री तक अधिक गर्म पाया गया है, जिससे अलनीनो की ओर ताकत मिली है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया के सभी भूभागों में इस साल नवंबर तक सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश का रास्ता भी बदल सकता है। यही अहम कारण है कि प्रशांत महासागर में होने वाला बदलाव भारत जैसे हजारों किलोमीटर दूर स्थित देशों के मौसम को भी प्रभावित करता है।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत बने रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य

से अधिक रहने की आशंका है। उत्तर भारत में सर्दियों के छोटा होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से ही देखा जा रहा है। यही नहीं, पश्चिमी विश्वोभ, हिमालय में बर्फबारी और हिंद महासागर की स्थिति की भूमिका भी इसमें काफी महत्वपूर्ण होगी। वर्ष 2023-24 के मजबूत अलनीनो ने 2024 को दुनिया का सबसे गर्म साल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। ठीक उसी तरह, इस साल भी तापमान का नया रिकॉर्ड बनने का खतरा बना हुआ है।

संभावना है कि दिसंबर महीने में तापमान उच्च स्तर पर पहुंच जाएगा। इससे पहले अलनीनो की स्थिति और तीव्र होगी, जो चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। गौरतलब है कि यह अब तक की सर्वाधिक तापमान वृद्धि होगी। इससे स्पष्ट है कि अलनीनो का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले 2015 में अधिकतम 2.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानी रयान माउ का कहना है कि अलनीनो सर्दियों में अपनी अधिकतम शक्ति पर बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रभावित क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो इतिहास में

दर्ज किसी भी पिछले अलनीनो से अधिक है। यह 1950 के बाद से दर्ज की गई सबसे शक्तिशाली मौसमी घटनाओं में से एक हो सकती है।

दरअसल, अलनीनो की स्थिति में मानसून कमजोर और अनियमित रहता है। साथ ही, अधिक गर्मी पड़ने से मिट्टी में नमी कम हो जाती है, जिससे खरीफ की फसलों की पैदावार घटने की आशंका रहती है। खरीफ का सीजन सीधे तौर पर देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। धान, मक्का, दालें और तिलहन जैसी प्रमुख फसलें इसी मौसम में बोई जाती हैं। ऐसे में अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। इस स्थिति में सबसे बड़ी चिंता उन क्षेत्रों को लेकर है, जहां खेती अब भी बारिश पर निर्भर है।

भारत अलनीनो के कारण सर्वाधिक जोखिम वाले देशों में शामिल है। वलाइमेट ट्रेड्स के मुताबिक, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अलनीनो और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव खेती से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ष 2050 तक इन दोनों के मिले-जुले प्रभाव से वैश्विक फसल पैदावार आधार स्थिति की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत तक घट सकती है।

इस संबंध में एम्स के एक संकाय सदस्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि हर परिस्थिति और हर स्तर पर हीट एक्शन प्लान लागू करने जैसी रणनीतियों पर तत्काल काम करने की जरूरत है। उनके अनुसार, बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और खुले में काम करने वाले श्रमिकों जैसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता देना जरूरी है।

चूंकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए ऐसे हालात से निपटने के लिए मौसमी पूर्वानुमानों के आधार पर बुआई से पहले फसलों में बदलाव किए जाने चाहिए। राय्यों में सूखा घोषित करने की प्रक्रिया सरल बनाई जानी चाहिए। कृषि योजनाओं में बहुवर्षीय जलवायु जोखिम मॉडल को शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही, दीर्घकालिक विकास की क्षमता बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था के ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

आर्थिक मोर्चे पर विकास के सकारात्मक संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यह पिछली दीपावली की तुलना में 15 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक अधिक रहने की संभावना है। इसी तरह से सेवा क्षेत्र में भी अच्छी ग्रोथ जारी रहने का अनुमान है। इसके अलावा विपरीत हालातों के बावजूद निर्यात में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश की इकोनोमिक ग्रोथ के कारण देसी-विदेशी निवेश के बेहतर हालात दिखाई दे रहे हैं।

विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर की रेटिंग संस्थाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिमान स्वीकार करते हुए वैश्विक औसत से लगभग दो गुणी विकास दर रहने की संभावना जताई है। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि वैश्विक परिस्थितियों में कहीं और किसी तरह का सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। ईरान-अमेरिका युद्ध हो या रूस-यूक्रेन युद्ध हो या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तानाशाही पूर्ण तुगलकी निर्णय हो या कच्चे तेल के भावों में बेतहासा बढ़ोतरी और हार्मुज का संकट हालात समूचे विश्व में विकट से विकटतर बने हुए हैं। अब तो फ्रांस के हालात भी बिगड़ते जा रहे हैं तो उसका असर जहां योरोप में दिखाई देगा वहीं भारत में भी हालात को प्रभावित करने के कतिपय प्रयास जारी हैं। अच्छी बात यह है कि देश-दुनिया के गंभीर हालातों के बावजूद आर्थिक क्षेत्र की दुनिया की लगभग सभी रेटिंग संस्थाओं ने इंडियन इकोनोमी की ग्रोथ रेट को लेकर आशा से भी अधिक विश्वास जताया है। रेटिंग संस्थाओं की ही माने तो 2026 की वैश्विक औसत आर्थिक विकास दर 3 दशमलव 1 फीसदी रहने की



संभावना व्यक्त की जा रही है वहीं दुनिया की रेटिंग संस्थाओं ने भारत के आर्थिक परिणामों को देखते हुए जुलाई की तुलना में अक्टूबर आते आते ग्रोथ को 6 दशमलव 9 से लेकर 7 दशमलव 1 रहने की उम्मीद जताई है। खास बात यह है कि विश्व रेटिंग संस्थाओं में से किसी भी संस्था ने जुलाई की रेटिंग की तुलना में नकारात्मक ग्रोथ नहीं दिखा कर ग्रोथ रेट में इजाफा ही जाहिर किया है।

दरअसल देश में मांग और आपूर्ति से लेकर निर्यात तक में लगातार विकास देखा जा रहा है। देश में मांग और आपूर्ति को बेहतर हालात है तो निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह भी तब जब वैश्विक मांग कमजोर देखी जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि एएमएसएमई सेक्टर में लगातार अच्छा काम हो रहा है तो दूसरी और सर्विस सेक्टर में तो एक तरह से

लगातार उछाल ही आ रहा है। कच्चे तेल के भावों में तो जैसे आग ही लग रही है और उपलब्धता को लेकर भी लाख डॉलर के बावजूद हकोनोमी को बूस्टअप रखने में खास बाधा नहीं आ रही है। देश में देसी-विदेशी निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महंगाई के बावजूद बाजार में मांग बरकरार है। बाजार में मांग से यह साफ है कि लोगों की क्रय शक्ति बनी हुई है। सर्विस सेक्टर में टूरिज्म, बैंकिंग, आईटी, और इसी तरह के अन्य क्षेत्र उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। नवंबर में दीपावली के त्यौहार के चलते बाजार और अधिक गतिशील हो जाएगा क्योंकि दीपावली पर बाजार में तेजी आती ही आती है। जानकारों की माने तो नवंबर माह में दीपावली पर 7 लाख करोड़ का कारोबार अनुमानित किया जा रहा है।

यही कारण है कि चाहे आईएमएफ हो या मूडीज, ओईसीडी हो या वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। सेवाखोजें

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकता है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र को से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्मसंशोधन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्रमुख खबरे...

मठ-मंदिर संरक्षण समिति की कार्यकारिणी का विस्तार

दुर्ग। मठ-मंदिरों के संरक्षण एवं उनके संचालन की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गठित मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। यह विस्तार समिति के संयोजक आचार्य डॉ. नीलेश शर्मा, अध्यक्ष मंगल प्रकाश गुप्ता एवं सचिव संजय साहू की विशेष उपस्थिति में मां सती एवं मोती महावीर मंदिर मोतीपारा में आयोजित बैठक में किया गया। जिसके अनुसार प्रदेश कार्यकारिणी में संरक्षक पंडित जय शर्मा, रघुनंदन उजाला, संदीप ताम्रकार, अतुल नागले, विजय अग्रवाल, चंचल सेठिया, अशोक राठी, प्रहलाद रंठाटा, कमल रंठाटा, अखिलेश अग्रवाल, नीतीश चंद्रकार, देखेंद कसार, किशोरी लाल सिंघानिया, ओमप्रकाश जोशी, धीरज दाक, सुरेशन मलवारण, डॉ गोविंद दीक्षित, नरसिंह कृष्ण, श्याम शर्मा होंगे। सह-सचिव कमल साहू, कोषाध्यक्ष विनोद देवांगन, सह-कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा, उपाध्यक्ष विजय जैन, दिलीप गुप्ता, अनुरा संजय रंठाटा, आनंद यादव, योगेश जैन, जनसंपर्क प्रमुख सुदीप सनातनी, जनसंपर्क कार्यकारी श्रीकांत उपाध्याय, मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कांत चंदेल, निधि प्रमुख द्रोण ताम्रकार बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रोमानाथ साहू, अमित बंडोरा, अनूप गणटागट, बाबा शर्मा, बसंत कसेरा, बलबीर संजोत्रे, आनंददेव ताम्रकार, मानव सोनकर, हेमंत देवांगन, जयंती भाई आड़ुतिया, किशोर सासा, कुशल उजाला, नारायण खेतान, पंकज राठी, प्रकाश कानावर, प्रमोद बेडे, राजू महाराज, शिवराज राउत, विजय जैन, बंटी शर्मा, संजय ताम्रकार, राहुल शर्मा, तुषार अग्रवाल, हरिहर देवांगन को शामिल किया गया है।

**श्री साई मंदिर के स्वर्ण
जयंती वर्ष का आगाज**

दुर्गा। सिविल लाइन कसारीडीह स्थित सार्वजनिक श्री साईं महोत्सव समिति, श्री साईं मंदिर के ऐतिहासिक स्वर्ण जयंती वर्ष (50वें वर्ष) का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्री साईं बाबा के नाम पर अपनी दुकान और व्यवसाय का संचालन कर उनकी श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भावना को आगे बढ़ाने वाले व्यवसायियों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में जहाँ व्यवसायियों को शाल, श्रीप्लत और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया, वहीं भजन संध्या में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर रहे। भजन गायक धनंजय तिवारी एवं उनके साथी कलाकारों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति भजन श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते, नाचते और गाते नवर आए। पूरे वातावरण में साईं भक्ति की गुंज रही श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वर्ण जयंती वर्ष के आगाज की खुशियाँ मनाई। समारोह में छत्तीसगढ़ चंबल ऑफ फॉर्मर्स एंड इंस्टीट्यूट के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक राठी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनंद शर्मा एवं समाजसेवी राधेश्याम अग्रवाल विशेष अतिथि रहे।

आईआईटी मिलाई के छटे दीक्षांत समारोह में 313 विद्यार्थियों को मिली उपाधियाँ, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी स्वर्ण पदक से सम्मानित

छत्तीसगढ़ में नवाचार, अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर विकसित कर रहा आईआईटी भिलाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के नाल्दा हॉल में आज छटा दीक्षांत समारोह गरिमायाम् वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रतिभावांन विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं सीनेट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नीति आयोग के पूर्व सदस्य एवं रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व महानिदेशक डॉ. विजय कुमार सारस्वत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने की। समारोह का शुभारंभ आकादमिक शोभायात्रा के साथ हुआ। आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने स्वागत उद्घोषण देते हुए संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईआईटी भिलाई छत्तीसगढ़ को प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दीक्षात समारोह में कुल 313 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई। इनमें 19 विद्यार्थियों को पीएचडी, 37 को एमएससी, 79 को एमटेक, 8 को बीटेक (ऑनर्स) तथा 170 विद्यार्थियों को बीटेक की उपाधियाँ मिलीं। डिजिटल ईडिया पहल के अनुरूप संस्थान द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल उपाधि प्रमाणपत्र भी



युवा विकसित भारत के निर्माण में निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ. सारस्वत

मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार सावत ने उपस्थित प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देने हुए कहा कि देश का भविष्य युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नावचार करने वाली प्रेरितभओं के हाथों में है। उन्होंने टीआरडीओ और नीति आयोग में अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को राई निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से अपने सपनों को विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में बदलने का आह्वाण किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने ग्रामीण विकास और समावेशी भारत के निर्माण में उच्च शिक्षण संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाकर सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति दी जा सकती है।

उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह व्यवस्था तकनीकी नवाचार के साथ पर्यावरण-अनुकूल कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करती है।

समारोह में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने पर बीटेक की छात्रा सुश्री कृति अरोड़ा को प्रतिष्ठित संस्थान स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। बीटेक, बीटेक (ऑनर्स) और एमएससी

पाठ्यक्रमों में समग्र शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए निधि सिंह को निदेशक स्वर्ण पदक (उत्कृष्ट छात्रा) से सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए बीटेक वर्ग में शुभम योगेश महाजन तथा एमटेक वर्ग में सुश्री जिमली पाटोवारी को निदेशक स्वर्ण पदक

छत्तीसगढ़ का पहला आईटी पार्क बना नवाचार और रोजगार की नई संभावनाओं का केंद्र

निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने बताया कि आईआईटी भिलाई और छत्तीसगढ़ शासन की संयुक्त पहल से राज्य का पहला आईटी पार्क स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा स्थिति लाइन में उद्घाटित यह पार्क प्रदेश में तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता और रोजगार सृजन को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। संस्थान का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान इकोसिस्टम विकसित करना है। उन्होंने बताया कि आईआईटी भिलाई में वर्तमान में 191 अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित हैं तथा संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट बढ़कर 187 करोड़ रूपए हो गया है। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोगों की विस्तार देने हुए संस्थान ने आईएमटी नॉर्ड यूरोप, इकोल स्टैंडाल डी नॉत और ग्राज प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। निदेशक ने बताया कि आईआईटी भिलाई टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फेडरेशन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की समग्र शिक्षा पहल के सहयोग से कुत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विद्या समीक्षा केंद्र विकसित किया गया है। इस केंद्र को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 30 मार्च 2025 को छत्तीसगढ़ को समर्पित किया था। यह पहल शिक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक के उपयोग और प्रभावी निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ल्या और अनुराग हाजरा को सीनेट पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी प्रकार एमटेक के विद्यार्थियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रजापत रंजित हिम्मतभाई, अरंदिम चक्रवर्ती, देबजीत सक्सेना, ब्योमकेश पांडा, नितेश सिंह भदौरिया, निरुपम वर्षन एम., सौरव कुमार, बसिंद्री रंजित देबज्योति डे, जिमली पाटोवारी, यशविषा, किचनमूर्ती, विवेक कुमार सोनी तथा अनुप कुमार सिंह को सीनेट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। यह आयोजन विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ-साथ समाज के प्रति नई जिम्मेदारियों का भी प्रतीक बना।

महापौर अलका बाघमार ने 86.84 लाख के बीटी रोड रिनिवल कार्यों का किया भूमिपूजन



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्गा। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर सड़क एवं आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न वार्डों में बी.टी.रोड रिनिवल्ड डामरीकरण एवं सड़क नवीनीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। महापौर श्रीमती अलका बाघमनर ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्थ एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, शेखर चन्द्राकर, आशीष चन्द्राकर, मनीष कोठारी, रंजिता पाटिल, युवराज कुंजम, अजित वैद्य, उषा अर्जियता करण यादव सहित बड़ी संख्या में नागरिक को मौजूदगी में वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 13 में 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत सड़क नवीनीकरण कार्यों का भूमिपूजन कर विकास कार्य को शुरुआत की।

प्रथम चरण में वार्ड क्रमांक 10 में दुर्गा चौक

से बद्ध विहात तक तथा वार्ड क्रमांक 11 में शंकर नगर बद्ध विहार चौक से कुर्मी भवन एवं अन्य-स्थानों तक बी.टी. रोड रनिवेल कार्य कराया जाएगा। इन कार्यों की कुल स्वीकृत लागत राशि 42.20 लाख है। सड़क नवीनीकरण से संबंधित क्षेत्रों में आवगमन नवीनीकरण से संघीय हीन नगरिकों को बेहतर सड़क सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 13 में भी 15वें वित्त-अवधि याग मद से स्वीकृत विभिन्न किया गया। रनिवेल कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके अंतर्गत मोहन नगर में कश्यप के घर से ईश्वर वर्मा के घर तक, आकाश दानी गली से लाल बिल्डिंग हंडरपं होते हुए शीतला मंदिर तक तथा गुप्ता नर्सिंग होम से चंद्राकर के घर तक सड़क नवीनीकरण कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों की कुल लागत राशि 44.64 लाख है। इस प्रकार वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 13 में कुल 86.84 लाख की लागत से सड़क नवीनीकरण कार्य कराए जाएंगे।

हर पात्र मतदाता का नाम सूची में हो, चुनाव प्रक्रिया रहे पारदर्शी : लोक जागरण मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मतदाता सूची की शुद्धता, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वावृत्ति के उद्देश्य से लोक जागरण मंच द्वारा दुर्ग स्थित साईंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में नागरिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'लोकतंत्र बचाओ, आराजकता हटाओ' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस संगोष्ठी में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के उद्देश्य, प्रक्रिया और महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना आवश्यक है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का उपयोग करने का अवसर मिल सके और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बलदाऊ राम



साहू तथा सहवक्ता शताब्दी पांडेय और शशांक शर्मा ने एसआईआर के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। मंच पर महापौर अलका बाघमार, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री रामशिला साहू, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्रकार, सरिता मिश्रा, संतोष सोनी और कांतिलाल जैन उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में चिकित्सकों, प्रोफेसरों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्ध

नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य एसआईआर के प्रति नागरिकों को जागरूक करना, इसकी प्रक्रिया की जानकारी देना और इससे संबंधित भ्रांतियों को तथ्यों के माध्यम से दूर करना रहा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रश्नोत्तरी एवं संवाद के माध्यम से उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं पर चर्चा की गई।

मुख्य वक्ता बलदाऊ राम साहू ने कहा कि एसआईआर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण

प्रक्रिया है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना बहुत जरूरी है। 'लोकतंत्र बचाओ' कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों के जागरूकता बढ़ाना और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि प्रयास यह होना चाहिए कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल रहे और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता कायम रहे। सहवक्ता शताब्दी पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता का मत है। इस मत की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सही मतदाता सूची आवश्यक है। एसआईआर को लेकर आमजन के बीच तथ्यों को स्पष्ट करना और उन्हें इसकी प्रक्रिया की जानकारी देना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों तक सही जानकारी पहुंचाने, भ्रम की

स्थिति दूर करने और प्रत्येक पात्र मतदाता को उसके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। सहचरका शाशंक शर्मा ने कहा कि एसआईआर जैसी महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक भ्रम फैलाने के बजाय तथ्यों के आधार पर संवाद होना चाहिए। मतदाता सूची का स्थापना चुनाव व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का मतधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार कार्य किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार ने प्रस्तावना उद्घोषित करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्य और एसआईआर के प्रति नागरिक जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

The advertisement is set against a black background. At the top, the text "Since 1972" is written in a white serif font. Below this is the "CROWN-TV" logo, which consists of a stylized circular emblem followed by the brand name in a large, bold, white sans-serif font. Underneath the logo, the phrase "Choice Of Millions" is written in a smaller, white serif font. A horizontal line separates this header from the product list below. The product list, "LED / Washing Machine", "Cooler / Fridge", and "Available All Size", is written in a large, bold, white sans-serif font. Below the text, there are four images: a flat-screen LED TV on the left showing a colorful interface with various app icons; a top-loading washing machine in the center with a white body and a reddish-brown base; a white portable cooler with a black mesh front; and a tall, dark red refrigerator on the right with a decorative pattern. At the bottom of the advertisement, the contact information is provided in a white sans-serif font, including the company name "ATLAS RADIO TRADERS (CROWN)", the address "SECT-3, D-48, WARD NO. 13, DEVENDRA NAGAR, RAIPUR (C.G.) 492009", and the phone number "98262 52372".

मुख्यमंत्री साय ने गढ़फुलझर में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वमंगल भवन का किया लोकार्पण

सुशासन और पारदर्शिता के साथ हर वर्ग तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत गढ़फुलझर में बाबा विशासहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वमंगल भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने समाज की मांग पर मंदिर परिसर में 50 लाख रुपये की लागत से भव्य डोम निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2024 में गढ़फुलझर के विकास के लिए किए गए वादे अब धरातल पर साकार हो रहे हैं। सर्वमंगल भवन का निर्माण पूरा होने से सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही 48 लाख रुपये की लागत से मानसरोवर तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में लगभग पौने दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण भी प्रगति पर है, जिस पर लगभग 3.50 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों से गढ़फुलझर और आसपास के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर में विकास का बदलाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और आने वाले समय में क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को और गति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कोलता समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज का राज्य सरकार को सदैव स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद मिलता रहा है। कोलता समाज मेहनतकश, शिक्षित, समृद्ध और सामाजिक मूल्यों के प्रति समर्पित समाज है। कृषि, शिक्षा, सेवा और सामाजिक क्षेत्र में समाज के लोगों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को मजबूत करने में कोलता समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी प्रतिशील सोच और सामाजिक चेतना के कारण यह समाज दूसरे समाजों के लिए भी प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य सरकार जनकल्याण से जुड़े संकल्पों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर रही है। सरकार



का लक्ष्य विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का उल्लेख करते हुए कहा कि आवास से वंचित गरीब परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 आवासों का निर्माण हो रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों को भी प्राथमिकता के आधार पर आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने के साथ तेंदूपत्ता संग्रहकों, श्रमिकों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के कल्याण के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है – प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए और विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग कर रही है। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए समय-सीमा और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्होंने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 36 विभागों की लगभग 700 शासकीय सेवाएं नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे लोगों को विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में अटल

डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से भी विभिन्न सेवाओं और वित्तीय लेन-देन को सरल एवं सुलभ बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के माध्यम से शासन को नागरिकों के और करीब लाना तथा शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना सुशासन सरकार का संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, पुरातात्विक विरासत और समृद्ध संस्कृति से परिपूर्ण है। प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। पर्यटन स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के साथ होमस्टे जैसी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने सिरपुर बैराज तथा सिकासेर-कोडार

लिंक परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किसानों की समृद्धि और कृषि उत्पादन में वृद्धि का आधार बनेगा। सरकार सिंचाई क्षमता बढ़ाने और किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संबलपुर सांसद श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि गढ़फुलझर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने माँ रामचंडी मंदिर की धार्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां गुरुद्वारे के निर्माण और लक्ष्मी-नारायण मंदिर के विकास से धार्मिक पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। श्री प्रधान ने कहा कि बसना अंचल में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का निरंतर विस्तार हो रहा है। सर्वमंगल भवन का लोकार्पण सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और भाईचारे को और मजबूत करेगा। उन्होंने कोलता समाज को मेहनतकश, कृषि से गहराई से जुड़ा तथा राष्ट्र और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला समाज बताया।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। छत्तीसगढ़ के किसान धान उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। किसानों की मेहनत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ देश की खाद्य सुरक्षा को भी सुदृढ़ कर रही है। महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि गढ़फुलझर श्रद्धा और आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है और इसके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कोलता समाज को उदार, मिलनसार और सभी समाजों एवं वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने वाला समाज बताया। श्रीमती चौधरी ने सिरपुर के युनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल होने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने माँ रामचंडी मंदिर में सीढ़ियों के लिए श्रेष्ठ निर्माण हेतु सांसद निधि से राशि उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि कोलता समाज ने शिक्षा, कृषि, सेवा और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा महासमुंद जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल, रायपुर उ्तर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित कोलता समाज के अध्यक्ष भुवनेश्वर सदावर्ती सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लागू जीएसटी देश का सबसे बड़ा कर सुधार: वित्त मंत्री चौधरी

प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे टैक्स बार एसोसिएशन के सदस्य, जीएसटी कानून और आधुनिक तकनीकों पर साझा किए अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) देश के आर्थिक इतिहास का सबसे बड़ा कर सुधार है। जीएसटी ने देश की जटिल अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाया है। इससे न केवल व्यापारियों और उद्यमियों को राहत मिली है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर प्रशासन तथा कर संबंधी सेवाओं को और अधिक सरल, सटीक एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वित्त मंत्री श्री चौधरी आज दुर्ग जिले के अंजोरा स्थित पृथ्वी पैलेस में टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ टैक्स टेक समिट 2026 को संबोधित



कर रहे थे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री एवं दुर्ग विधायक श्री गजेंद्र यादव तथा जीएसटी अपीलीय अधिकरण की प्रधान पीठ के अध्यक्ष श्री संजय कुमार मिश्रा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कर विशेषज्ञ, अधिकारक और टैक्स प्रैक्टिशनर्स उपस्थित थे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीएसटी लागू होने से पहले देश में 17 प्रकार के अप्रत्यक्ष कर और 23 प्रकार के उपकर प्रचलित थे। अलग-अलग कर व्यवस्थाओं के कारण व्यापारियों को अनेक प्रक्रियागत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन करों

को एकीकृत कर देश को एक साझा अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था प्रदान की है। इससे कर अनुपालन की प्रक्रियाएं सरल हुई हैं, कर प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है और कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से व्यापारियों पर कर अनुपालन का बोझ कम करने तथा कारोबार को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। भारतीय उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर प्राप्त हुए हैं। विकसित भारत के निर्माण के लिए

आधुनिक, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी कर व्यवस्था आवश्यक है तथा जीएसटी इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार प्रदान कर रहा है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी परिवर्तन और नवाचार का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से विभिन्न क्षेत्रों की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर रहा है। कर प्रशासन, लेखांकन, विधिक अनुसंधान, दस्तावेजों के विश्लेषण और कर अनुपालन जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित तकनीकों का उपयोग नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि टैक्स बार एसोसिएशन के सदस्य करदाताओं और शासन के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उन्हें बदलती तकनीकों और आधुनिक डिजिटल उपकरणों की जानकारी होना आवश्यक है। इस समिट में टैक्स प्रैक्टिशनर्स को एआई टूल्स के उपयोग से परिचित कराने के लिए तकनीकी सत्र आयोजित किए गए हैं। इससे कर विशेषज्ञों को अपने कार्यों में दक्षता बढ़ाने तथा करदाताओं को बेहतर सेवाएं

उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान टैक्स बार कार्डिसल के प्रतिनिधियों ने शिक्षा, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेंद्र यादव के समक्ष विधि शिक्षा के पाठ्यक्रम में जीएसटी कानून को शामिल करने का सुझाव रखा। प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान आर्थिक परिवेश में जीएसटी का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। विधि के विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान ही अप्रत्यक्ष कर प्रणाली और जीएसटी कानून की व्यावहारिक जानकारी मिलने से उन्हें भविष्य में बेहतर व्यावसायिक अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

समिट को संबोधित करते हुए जीएसटी अपीलीय अधिकरण की प्रधान पीठ के अध्यक्ष श्री संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफ़लता प्राप्त करने के लिए कर्म के साथ ज्ञान का होना आवश्यक है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान के साथ किया गया कर्म लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में अधिक प्रभावी होता है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका : संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और नीतियों के प्रभावी निर्माण एवं क्रियान्वयन में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनगणना से प्राप्त जानकारी के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं का आकलन करने और विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में सहायता मिलती है। इसलिए जनगणना कार्य पूरी गंभीरता, सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाना आवश्यक है। यह बात सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुर्गा ने शनिवार को अम्बिकापुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही।

डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रशिक्षण में जिले के चार्ज अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। संभागायुक्त दुर्गा ने अधिकारियों को जनगणना कार्य



की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि जनगणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति और परिवार की जानकारी का सही एवं सटीक संकलन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में विशेष सावधानी बरती जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति अथवा घर गणना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े शासन को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में अधिकाधिक नरेन्द्र कुमार दुर्गा ने शनिवार को अम्बिकापुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही।

डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रशिक्षण में जिले के चार्ज अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। संभागायुक्त दुर्गा ने अधिकारियों को जनगणना कार्य

का समाधान मास्टर ट्रेनर्स से प्राप्त कर लिया जाए, ताकि मैदानी स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने और जनगणना कार्य से संबंधित सभी पहलुओं को भलीभांति समझने को कहा। संभागायुक्त ने सरगुजा संभाग में जनगणना के प्रथम चरण के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि द्वितीय चरण में भी इसी प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनगणना को सफ़लतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करने का कार्य है।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगी उम्मीदें, जोरातराई के ग्रामीण जीवन में आएगा उजियारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई के सड़क पार में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों का प्रतिस्थापन ग्रामीणों के जीवन में सुविधाओं का नया उजियारा लेकर आया है। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (केड) द्वारा की गई इस पहल से सौर ऊर्जा संयंत्र की भंडारण क्षमता बेहतर होगी और ग्रामीण परिवारों को विद्युत सुविधा का अधिक प्रभावी लाभ मिल सकेगा।

यह प्रयास न केवल स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित संसाधनों के समुचित रखरखाव और उनकी निरंतर उपयोगिता सुनिश्चित करने का भी उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री



विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। शासन की इस पहल के अनुरूप केड द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्रों के संचालन एवं संधारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं का निरंतर लाभ मिल सके।

धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई

के सड़क पार में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों की क्षमता प्रभावित होने से ऊर्जा भंडारण और विद्युत आपूर्ति में कठिनाई उत्पन्न होने की संभावना थी। इसे दूर करने के लिए केड द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र की पुरानी बैटरियों का प्रतिस्थापन किया गया। इससे संयंत्र की कार्यक्षमता बनाए रखने और सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली का आवश्यकता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की

उपलब्धता केवल प्रकाश का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, घरेलू गतिविधियों और बेहतर जीवन स्तर का महत्वपूर्ण आधार है। विशेषकर शाम और रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी बच्चों की पढ़ाई तथा परिवारों के दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक होती है। ग्राम जोरातराई के सड़क पार में सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियां बदले जाने से ग्रामीण परिवारों को इन सुविधाओं का बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है।

सौर ऊर्जा व्यवस्था के सुचारु संचालन से विद्यार्थियों को शाम के समय अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। वहीं महिलाओं और अन्य ग्रामीणों को घरेलू कार्यों में सहूलियत होगी। इस प्रकार ऊर्जा संयंत्र का तकनीकी रखरखाव ग्रामीण परिवारों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में उपयोगी साबित होगा। सौर ऊर्जा पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा स्रोत होने के साथ दूरस्थ क्षेत्रों में विद्युत सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। ऐसे क्षेत्रों में जहां

पारंपरिक विद्युत आपूर्ति की उपलब्धता सीमित हो सकती है, वहां सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्थाएं ग्रामीण जीवन को सुविधाजनक बनाने में सहायक होती हैं।

केड द्वारा ग्राम जोरातराई में किया गया बैटरी प्रतिस्थापन यह दर्शाता है कि किसी भी विकास कार्य की सफलता केवल नई सुविधाएं स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका नियमित रखरखाव और लंबे समय तक प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। समय पर तकनीकी सुधार से स्थापित संसाधनों की उपयोगिता बनी रहती है और ग्रामीणों को उनका बेहतर लाभ मिल सकता है। ग्राम जोरातराई के सड़क पार में सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियां बदले जाने से ग्रामीणों में प्रसन्नता है। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केड के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों के लिए यह कार्य ऊर्जा सुविधा के बेहतर संचालन की उम्मीद के साथ दैनिक जीवन में सहूलियत बढ़ाने वाला प्रयास है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z
CUT N SHINE
93009-11331

रंगोली कैबल के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539



क्या खुद को लेकर निराश हैं राधिका

बोली - आलिया-दीपिका की फिल्म कर सकती है अच्छी ओपनिंग

राधिका आउटे इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ‘अक्का’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों।

राधिका आउटे की हालिया फिल्में ‘लस्ट स्टोरीज 3’, ‘साली मोहब्बत’, ‘मिसेज अंडरकवर’ और ‘मोनिका-ओ माय डार्लिंग’ सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालाँकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगी या ओटीटी पर।

उन्होंने कहा, ‘मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही

चाहती हूँ कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।’

आलिया-दीपिका को लेकर क्या बोली राधिका?

राधिका ने आगे बताया कि बॉक्स ऑफिस के समीकरणों को देखते हुए, महिला कलाकार अक्सर ऐसी फिल्में चुनती हैं जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभा रहे हों। राधिका ने कहा, ‘पिछले कुछ वर्षों में थिएट्रिकल रिलीज के मामले में यह समझना मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं।’

अगर कोई ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती है, जिसमें मैं मुख्य भूमिका में हूँ, तो वह शायद फ्लॉप हो जाए, भले ही वह कितनी भी बेहतरीन फिल्म क्यों न हो। मैं आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी स्टार नहीं हूँ, जिनके मामले में कम से कम यह उम्मीद तो की जा सकती है कि फिल्म की ओपनिंग अच्छी होगी। मैं आपसे बिल्कुल ईमानदारी से कह रही हूँ। इसका मतलब यही है कि मुझे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभाते हैं।’

दीपिका-आलिया की फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया?

हालाँकि राधिका को आलिया और दीपिका की स्टार पावर पर भरोसा है, मगर इन दोनों अभिनेत्रियों ने भी पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी सोलो हिट नहीं दी है। 2022 में आलिया भट्ट की

फिल्म ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ आई थी, जो हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्मों में से एक है। मगर इसके बाद उनकी सोलो फिल्में, ‘जिगरा’ और ‘अल्फा’ बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही।

2018 में आई फिल्म ‘छपाक’ के बाद से, दीपिका किसी ऐसी फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर नहीं आई हैं, जो अकेले उनके दम पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई हो।

आलिया की हिट फिल्में

ये दोनों अभिनेत्रियां ऐसी बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं, जिनमें मुख्य भूमिकाएं अन्य अभिनेताओं की थीं और ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुईं।

आलिया ‘ब्रह्मास्त्र’ और ‘आरआरआर’ जैसी फिल्मों में नजर आईं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया।

उनकी पिछली बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म ‘रॉकी और रानी की प्रेम कहानी’ में सफलता का श्रेय रणवीर सिंह के साथ साझा किया गया था।

दीपिका की फिल्में

इसी तरह 2023 में दीपिका शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्मों ‘पठान’ और ‘जवान’ में नजर आईं। इसके बाद वह ‘कल्कि 2898 एडी’ में प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ दिखाई दीं।

इन तीनों फिल्मों ने 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।



मलाइका के जन्मदिन पर अमृता ने ली चुटकी

बोलीं - नाम देवदूतों वाला, लेकिन असली शैतान को मैं जानती हूँ

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने शुक्रवार को 53वां जन्मदिन मनाया। इस खास दिन पर उनकी छोटी बहन अमृता अरोड़ा ने अलग अंदाज में बधाई दी। उन्होंने मलाइका के लिए एक कविता लिखी, जिसमें प्यार के साथ-साथ उनकी जमकर खिंचाई भी की। अमृता की इस कविता पर मलाइका ने प्यार लुटाय़ा, तो वहीं करीना कपूर खान भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकीं। अमृता ने इंस्टाग्राम पर मलाइका की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में प्यारी सी कविता लिखी और उनके साथ अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया। अमृता ने लिखा, मल्ला (मलाइका), मेरी बहन, जिसका अंदाज सबसे अलग है। हमें क्या पहनना है, किसकी पसंद अच्छी है और किसकी बात मानी जाए, इन बातों पर घंटों बहस होती थी, लेकिन कोई हल नहीं निकलता था। फिर भी, हर मुश्किल में हम

हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे। हमने खूब बहस देखी, कई बार आंसू भी बहाए, लेकिन इन सबने हमें साल-दर-साल और करीब ला दिया।

अमृता ने आगे मलाइका की खिंचाई करते हुए लिखा, मलाइका के नाम का मतलब देवदूत है, इसलिए आप बाकी सबको बेवकूफ बना सकती हो, लेकिन मुझे नहीं। मैं उस असली शैतान को जानती हूँ, जो आपके अंदर छिपा बैठा है। उफफ! आखिरकार मैंने तुमसे किया कविता लिखने का वादा पूरा कर दिया। अच्छ, अब जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बहन। तुमसे बहुत प्यार है।

बहन अमृता की कविता पढ़कर मलाइका ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कमेंट में लिखा, आखिरकार मुझे अपनी कविता मिल ही गई। इसके साथ उन्होंने लव इमोजी भी शेयर किए।



बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे।

इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता

आदित्य रॉय संग रोमांस करेंगी तारा सुतारिया

दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी। आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं।

‘आशिकी 2’ जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देकर दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा ‘मरजावां’ के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जावेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ ‘एक विलेन रिटर्न्स’ में काम किया था एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में



रोमांस को दिखाना

है। निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है।

अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।

नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान?

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो ‘द बैंड्स ऑफ बॉलीवुड’ काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें। यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और

निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालाँकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में ‘द लायन किंग’ के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी।



थकान और तनाव से पाना है छुटकारा तो करें दोलासन, जानें इसके फायदे

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में योग एक ऐसी प्राचीन पद्धति है, जो न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि मन को भी शांत करती है। योग के इन्हीं आसनों में दोलासन का विशेष महत्व है। दोलासन दो शब्दों से मिलकर बना है, दोल यानी झूलना और आसन यानी मुद्रा।

इस आसन को करने के दौरान शरीर झूले के समान आगे-पीछे झूलता है। यह आसन खासतौर पर पेट, पीठ और रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, दोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है। इसका नियमित अभ्यास थकान, सिरदर्द और मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है। दरअसल, इस आसन को करने के दौरान अभ्यासकर्ता आगे-पीछे की ओर सिर को झुकाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार तेज हो जाता है और दिमाग तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है।

इससे सिरदर्द में आराम मिलता है और दिनभर की थकान कम होती है। साथ ही, इस दौरान शरीर को स्ट्रेचिंग होने से मांसपेशियों का तनाव कम होता है और मन शांत होता है, जिससे चिंता और तनाव जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। दोलासन से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इस आसन को करने के दौरान अभ्यासकर्ता के पेट की मांसपेशियों पर खिंचाव और दबाव पड़ता है, जिससे वे सक्रिय होती हैं। इस प्रक्रिया से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। साथ ही, कोर मसल्स मजबूत होने से शरीर का संतुलन और पोस्चर बेहतर होता है, और कमर दर्द की समस्या में भी राहत मिलती है। जिन्हें गंभीर कमर दर्द या स्लिप डिस्क की समस्या है, वे इस आसन को न करें क्योंकि इसमें आगे झुकना पड़ता है। हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) या चक्रर आने की समस्या वाले लोगों को यह आसन नहीं करना चाहिए।



लाभ

- घुटने
- पीठ
- मेकदण्ड
- सिर
- चेहरा
- रक्त संचार

मौसम के असर से फट रहे हैं होंठ तो घर पर ही बनाएं नेचुरल लिप बाम

मौसम में बदलाव आते ही होंठों का रूखा होना, पपड़ी जमना और फटने जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। ऐसे में होंठों की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन आप चाहें तो घर पर भी घी और नारियल तेल की मदद से एक आसान लिप बाम तैयार कर सकते हैं।

इन चीजों में मौजूद चिकनाई होंठों की नमी बनाए रखने और रूखेपन को कम करने में मदद कर सकती है। इसे बनाने के लिए ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती और इसे तैयार करना भी काफी आसान है, तो आइए जानते हैं घी से नेचुरल लिप बाम बनाने का तरीका और इस्तेमाल के दौरान किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए।



होममेड बाम बनाने पर इन बातों का रखें ध्यान

घर पर बने लिप बाम को हमेशा साफ और सूखे कंटेनर में रखें। इसमें पानी न जाने दें और इसे फ्रिज में रखना बेहतर है। इसमें शहद और तेल जैसी चीजें हैं, इसलिए इसे लंबे समय तक स्टोर करने के बजाय थोड़ी मात्रा में बनाएं। खराब गंध, रंग या बनावट में बदलाव होने पर इस्तेमाल न करें। पहली बार इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। अगर होंठों पर जलन, खुजली या सूजन हो तो इसका इस्तेमाल बंद कर दें। सेंसिटिव होंठों के लिए एंसेंशियल ऑयल से बचना बेहतर है।

घर पर घी से बने नेचुरल लिप बाम लगाने के फायदे

घी और नारियल तेल में मौजूद चिकनाई होंठों की नमी बनाए रखने और रूखेपन को कम करने में मदद कर सकती है। नियमित रूप से इनका इस्तेमाल करने से होंठों को मुलायम रखने और फटने की समस्या से राहत पाने में मदद मिल सकती है।

घर पर घी से कैसे बनाएं लिप बाम?

घी से लिप बाम बनाने के लिए सबसे पहले एक छोटे बर्तन में घी और नारियल तेल डालें। फिर इसे धीमी आंच पर गर्म करें, ताकि दोनों चीजें पिघलकर अच्छी तरह मिल जाएं। अब बर्तन को गैस से उतार लें और मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। जब मिश्रण हल्का गुनगुना रह जाए, तो इसमें शहद डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अगर आप चाहें, तो इसमें एंसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें भी डाल सकते हैं।

होंठों पर इस्तेमाल करने के लिए एंसेंशियल ऑयल जरूरी नहीं है, इससे जलन भी हो सकती है। अब तैयार मिश्रण को साफ और सूखे छोटे कंटेनर में डाल दें और इसे कुछ घंटों के लिए फ्रिज में रख दें। जब यह जमकर लिप बाम जैसा बन जाए तो इस्तेमाल करने से पहले इसकी बनावट जांच लें।

घी से लिप बाम बनाने के लिए जरूरी चीजें

- 4 बड़े चम्मच घी
- 2 बड़े चम्मच नारियल तेल
- 1 बड़ा चम्मच शहद
- एंसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें (ऑप्शनल)

खास-खबर

मारकंडी नदी से शहर तक पहुंचेगा पानी, बस्तर जलप्रदाय योजना के लिए 57.71 करोड़ मंजूर

रायपुर। राज्य शासन ने बस्तर नगर पंचायत में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल के लिए नई जलप्रदाय योजना को मंजूरी दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अधिकरण ने अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत बस्तर की नई जलप्रदाय योजना के लिए 57 करोड़ 71 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने के बाद शहर में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पेयजल की उपलब्धता मौजूदा 65 लीटर से बढ़कर 135 लीटर हो जाएगी। यानी हर व्यक्ति को रोजाना 70 लीटर अतिरिक्त शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। योजना के तहत शहर में करीब 73 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 2700 से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। इससे शहर में पेयजल वितरण व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही लोगों को घरों तक पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। बस्तर जलप्रदाय योजना के लिए मारकंडी नदी के चपका एनीकट में इंटेकवेल का निर्माण किया जाएगा। वहां से रॉ-वॉटर पाइपलाइन के जरिए नदी का पानी जल शोधन संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा। संयंत्र में पानी के शुद्धिकरण के बाद इसे बस्तर शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

दुख के दौर में शारदा को मिला श्रम विभाग की योजना का सहारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत कोंडागांव जिले के एक श्रमिक परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। जिला व तहसील कोंडागांव के ग्राम सातगांव, नानीपदर निवासी धनेश बघेल श्रम विभाग में इलेक्ट्रीशियन के रूप में पंजीकृत निर्माण श्रमिक थे। कार्यस्थल से घर लौटने के दौरान सड़क दुर्घटना में उनका असामयिक निधन हो गया। शासन की योजना के तहत पात्रता एवं आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने पर उनकी पत्नी एवं उत्तराधिकारी शारदा बघेल को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से दिवंगत श्रमिक के परिवार को दुख के कठिन और प्रतिकूल समय में आर्थिक संबल प्राप्त हुआ। विभाग ने श्रमिकों से अपील की है कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपना पंजीयन अद्यतन रखें तथा योजनाओं की पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी संबंधित श्रम कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

राजधानी रॉयल्स पर 4-3 की जीत के बाद चक्रधर चैंपियंस सेमीफाइनल में जगह बनाने के और करीब पहुंचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में राजधानी रॉयल्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जिसमें चक्रधर चैंपियंस ने 4-3 से जीत दर्ज की। ललित उपाध्याय की कप्तानी वाली टीम के लिए यह हार उन्हें पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे ले आई है, जिससे उनके आगे बढ़ने की संभावनाएं काफी मुश्किल हो गई हैं। दूसरी ओर, चैंपियंस सेमीफाइनल में जगह बनाने के और करीब पहुंच गए हैं।

मैच की शुरुआत चक्रधर चैंपियंस ने की, जो लगातार दूसरे दिन अपना मैच खेल रहे थे। उन्होंने गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और सबसे पहले गोल दागा। चौथे मिनट में मनीष ने टीम के लिए एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे युवराज वाल्मीकि ने एक बेहतरीन वेरिगेशन के जरिए गोल में बदल दिया। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही राजधानी रॉयल्स ने कुछ ही मिनटों बाद बराबरी कर ली, जब रौशन कुमार ने 'टोमाहॉक' शॉट से गोल किया - जो इस छ।रा में उनका ट्रेडमार्क बन गया है।

संक्षेप में कहें तो, दोनों टीमों के बीच यह क्वार्टर फाफ़ी बराबरी का रहा, जिसमें दोनों तरफ से एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी गई। इसके



बावजूद, चक्रधर चैंपियंस एक ऐसी टीम बनकर उभरी है जिसे हराना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास अनुभवी और नए खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है जो लगातार गोल कर रहे हैं। वाल्मीकि ने मिडफील्ड से एक लंबा पास दिया, जिसे रोकने के लिए कोई डिफेंडर मौजूद नहीं था। इसका नतीजा यह हुआ कि खोश्र्वर बाग ने शानदार तरीके से गेंद को डिफ्लेक्ट (दिशा बदलकर) करके चैंपियंस के लिए दिन का

दूसरा गोल कर दिया। हाफ-टाइम से पहले उन्हें कुछ और मौके मिले, लेकिन पूरे टूर्नामेंट की तरह, पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के मामले में उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा। उनका तीसरा गोल एक पेनल्टी कॉर्नर से आया; इस बार परमप्रीत सिंह ने पोस्ट के बीच में निशाना साधा, और विपक्षी गोलकीपर हिमांशु मलिक एक आसान सा बचाव करने से चूक गए। राजधानी रॉयल्स

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के बारे में

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग छत्तीसगढ़ की पहली आधिकारिक राज्य-स्तरीय हॉकी लीग है, जिसका आयोजन छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया गया है। इस लीग का उद्देश्य राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को एक व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें, बहुमूल्य अनुभव हासिल कर सकें और राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर तलाश सकें। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सीजन 21 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ़्रेन्चाइजी-आधारित टीमें— राजधानी रॉयल्स, बैलाडीला बुल्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मेनपाट टाइटन्स-खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। प्रत्येक टीम में 22 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा, जिसमें 18 खिलाड़ी छत्तीसगढ़ से होंगे, जबकि चार खिलाड़ी राज्य के बाहर के (राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर के) होंगे। इस लीग का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में हॉकी इकोसिस्टम को मजबूत करना, उभरते खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और राज्य में राष्ट्रीय खेल (हॉकी) के निरंतर विकास में योगदान देना है। चलो रे संगी, हॉकी खेलबो (चलो साथियों, हॉकी खेलते हैं) टैगलाइन के साथ, यह लीग छत्तीसगढ़ की खेल पहचान, क्षेत्रीय गौरव और हॉकी में राज्य की बढ़ती आकांक्षाओं का जश्न मनाती है।

ने एक गोल वापस किया, जब रौशन कुमार ने पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर फिर से गोल दागा। चक्रधर चैंपियंस के लिए अगला गोल आने में उम्मीद से कहीं ज्यादा समय लगा, जब परमप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गेंद को नेट के पार पहुंचाया।

उन्के दूसरे गोल के विपरीत, यह एक जोरदार प्रहार था, और मलिक को संभलने का कोई मौका नहीं मिला। ललित ने खेल खत्म

होने के करीब वापसी की और एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। रौशन को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि परमप्रीत 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। अब, राजधानी रॉयल्स अपना अगला मैच 25 अक्टूबर को मेनपाट टाइटन्स के खिलाफ खेलेंगे; वहीं चक्रधर चैंपियंस 26 अक्टूबर को इसी टीम के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

कोरबा की प्रमुख सड़कों के डामरीकरण कार्य का शुभारंभ, उद्योग मंत्री देवांगन ने किया निरीक्षण

रायपुर। कोरबा शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर एवं सुगम बनाने की दिशा में डामरीकरण कार्य शनिवार से प्रारंभ हो गया। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन एवं महापौर संजु देवी राजपूत ने कार्यस्थल पर जाकर वहां चल रहे डामरीकरण कार्यों का अवलोकन तथा निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उद्योग मंत्री देवांगन के प्रयासों से कोरबा नगर निगम क्षेत्र के 20 प्रमुख मार्गों के सड़क डामरीकरण कार्यों के लिए करीब 24 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन विकास कार्यों का भूमिपूजन 19 अक्टूबर को कोसाबाड़ी चौक पर संपन्न हुआ था। इसके पश्चात शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर डामरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया। निरीक्षण के दौरान उद्योग मंत्री ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी स्वीकृत डामरीकरण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। साथ ही निर्माण कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने और आम नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी न हो।

‘सेवा सेतु’ केन्द्र के माध्यम से दिलीप को एक दिन में मिला जाति प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का त्वरित एवं पारदर्शी लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 'सेवा सेतु' केन्द्र जमीनी स्तर पर बेहद कारगर साबित हो रहा है। इसके माध्यम से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने से निजात मिल रही है। बालोद जिले के ग्राम मुखेगुड़ा निवासी दिलीप के लिए यह अत्यंत मददगार साबित हुआ, जहां उन्हें मात्र एक ही दिवस के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र तैयार कर प्रदान कर दिया गया।

हितग्राही दिलीप कुमार ने बताया कि उन्हें विभिन्न आवश्यक कार्यों एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए



जाति प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी। पूर्व में प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी तथा बार-बार कार्यालयीन प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। लेकिन सेवा सेतु केन्द्र के तहत जब उन्होंने अपने दस्तावेज प्रस्तुत किए, तो संबंधित अमले ने पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता दिखाते हुए

आवेदन का त्वरित सत्यापन किया और रिकॉर्ड समय में मात्र एक दिन के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र तैयार कर उन्हें सौंप दिया। एक ही दिन में बिना किसी परेशानी के प्रमाण पत्र मिलने पर दिलीप को खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बताया कि इस त्वरित पहल से न केवल उनके समय और धन की बचत हुई,

जीराफूल चावल से समृद्धि की नई राह, चांगरो के किसानों को मिलेगा बेहतर बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कृषि पहचान को सहेजने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए बलरामपुर जिले के ग्राम चांगरो में जीराफूल चावल की जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन ने गांव पहुंचकर किसानों तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से चर्चा की। उन्होंने जीराफूल की खेती को संगठित रूप देने, इसकी ब्रांडिंग करने और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने का भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों के साथ आत्मीय संवाद के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर किसानों के अनुभव सुने और पारंपरिक खेती को सहेजने के उनके प्रयासों की सराहना



की। किसानों को रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चांगरो का जीराफूल चावल क्षेत्र की अनमोल पहचान है। इसकी

सुगंध और गुणवत्ता को जिले से आगे राज्य और देशभर में पहुंचाने के लिए हर्ससंभव सहयोग किया जाएगा। जीराफूल पारंपरिक, सुगंधित और छोटे दाने वाली धान की किस्म है। इसके पतले

दाने जीरे जैसे दिखते हैं, इसलिए इसका नाम जीराफूल पड़ा। मार्च 2019 में इसे जीआई टैग मिला। प्राकृतिक मिठास और मनमोहक सुगंध के लिए प्रसिद्ध यह चावल हल्का और सुपाच्य भी है। बाजार में इसकी कीमत लगभग 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक है।

जिला प्रशासन ने बताया कि जीराफूल की बेहतर मार्केटिंग और उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए किसानों के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाई जाएगी। शंकरगढ़ क्षेत्र के लगभग 30 गांवों में इसकी खेती हो रही है। उत्पादन क्षेत्र का विस्तार करने के साथ चांगरो के जीराफूल चावल की प्रभावशील ब्रांडिंग पर भी काम किया जाएगा। किसानों और इस कार्य से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। चांगरो में जीराफूल की खेती से 10 स्व-

सहायता समूह जुड़े हैं। प्रत्येक समूह में 12 से 15 महिलाएं कार्यरत हैं। समूहों को शंकरगढ़ स्थित आत्मनिर्भर बलरामपुर किसान उत्पादक संगठन (एफ़्सीओ) से जोड़ने की पहल की जाएगी, जिससे किसानों को कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री और सेवाएं मिल सकें। स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और बाजार सुविधा बढ़ाने के लिए राइस मिल तथा पारंपरिक लकड़ी की ढेंकी के आधुनिक स्वरूप इलेक्ट्रिक ढेंकी की स्थापना पर भी चर्चा की गई। जीराफूल की जैविक खेती, संगठित विपणन और ब्रांडिंग से चांगरो के किसानों की पारंपरिक मेहनत को व्यापक पहचान मिलने के साथ उनकी आय बढ़ाने के नए अवसर तैयार होंगे। वहीं, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को उत्पादन और प्रसंस्करण से जोड़कर स्थानीय आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के 5वें मैच में न्यायधानी नाइट्स ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को हराया



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पहले क्वार्टर में खराब शुरुआत के बावजूद सुरेंद्र सिंह की न्यायधानी नाइट्स ने आज संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 5-3 से हराकर छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने मैच की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कॉर्नर गंवा दिए, जिससे वे शुरुआत में ही बढ़त बनाने से चूक गए। हालांकि, आम कुमार यादव ने जीतू हेमला की पास की गई गेंद को डिफ्लेक्ट करके पहला गोल किया और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई, लेकिन पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में न बदल पाना उनके लिए भारी पड़ा।

दूसरे क्वार्टर में न्यायधानी नाइट्स ने सुखदेव निर्मलकर के फील्ड गोल के साथ वापसी की। इसके कुछ ही देर बाद शादाब अहमद खान ने गोल किया, जब संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के गोलकीपर आदित्य कुमार नेताम बुरी तरह गिर

गए थे। इसके एक मिनट से भी कम समय बाद चिराग ने एक पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। पहले हाफ के ज्यादातर समय स्ट्राइकर्स का दबदबा होने के बावजूद स्कोर 1-3 रहा। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में उनकी किस्मत थोड़ी बेहतर रही। वे फिर से पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाए, लेकिन उन्हें मिले पेनाल्टी स्ट्रोक को आशीष तानी पूर्ति ने गोल में बदल दिया। इसके जवाब में, चिराग ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर न्यायधानी नाइट्स की बढ़त को फिर से गोल का कर दिया।

मैच के अंत में आशीष तानी एक तरह से संस्कारधानी के अकेले योद्धा साबित हुए, जब उन्होंने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। एकतरफा रहे इस मैच का अंत तब हुआ जब सोनू ने न्यायधानी नाइट्स के लिए एक और गोल किया।

मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए आशीष को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला, जबकि चिराग को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में लगातार दूसरे

दिन मैच देखने और खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए पहुंचे उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने मैच के स्टार परफॉर्मर्स को पुरस्कार प्रदान किए। लीग में रविवार को शाम 5.30 बजे 'न्यायधानी नाइट्स' का मुकाबला 'बैलाडीला बुल्स' से होगा, और इसके बाद शाम 7.30 बजे 'राजधानी रॉयल्स' का सामना 'मेनपाट टाइटन्स' से होगा।

आज के पहले मैच में 'राजधानी रॉयल्स' को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें 'चक्रधर चैंपियंस' ने 4-3 से हराया। इस जीत के साथ 'चक्रधर चैंपियंस' ने अपने दोनों मैचों में जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। 'चक्रधर चैंपियंस' के लिए परमप्रीत सिंह मैच के स्टार रहे, जिन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए दो गोल किए। वहीं, 'राजधानी रॉयल्स' के लिए रौशन ने एक गोल किया। अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए 'राजधानी रॉयल्स' को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे।

राजमिस्त्री प्रशिक्षण से ग्रामीण युवाओं को मिला आत्मनिर्भरता का हुनार

मोहला। ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बडौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में आयोजित 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को असेसमेंट के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों को राजमिस्त्री कार्य से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। इसमें निर्माण सामग्री एवं औजारों का सही उपयोग, विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों की तकनीकी दक्षता एवं कार्यक्षमता विकसित की गई।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेन्स एवं प्रहलत उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शॉर्ट पीएम ने खोला मासूम की हत्या का राज

कोरबा। मासूम को सड़क पर गिरा पैसा दिलाते के बहाने वहशी दरिंद अपने साथ ले गया। उसने जंगल में दरिंदगी का ऐसा खेल खेला, जिसे सुन किसी की भी रूह कांप जाए। पहले तो उसने शर्ट से मासूम के मुंह व नाक को दबा दिया। इतने में भी मन नहीं भरा तो शर्ट से गला घोट दिया। जिससे श्वंस नली के दबने से मासूम की जान चली गई। पुलिस उन तमाम साक्ष्यों को जुटाने में जुटी है, जिससे आरोपी को सख्त सजा दिला जा सके। रजगामार में सात वर्षीय बालिका के साथ हुई दरिंदगी ने लोगों को उद्देकित कर दिया है। जगह जगह घटना के विरोध और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने लोग कैंडल मार्च कर रहे हैं। इस दौरान मामले की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में करने और आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की जा रही है। घटना के बाद लोगों में भारी आक्रोश भी देखा जा रहा है। जिले में कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

ट्रेन से कटक युवक की हुई मौत

जांजगीर-चांपा। ट्रेन से कटक एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। घटना सिटी कोतवाली अंतर्गत ग्राम बिरगहनी नैला रेलवे ट्रैक का है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम फरसवानी थाना उरगा जिला कोरबा निवासी राजेश केन्द्र उम्र 35 वर्ष पिता कार्तिक केवट शुक्रवार 23 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे घर से पैदल अपने ससुराल ग्राम देवरहा आया हुआ था। रात्रि को अपने ससुराल में रहा फिर सुबह 24 अक्टूबर को पैदल ही घर जाने के निकल गया। सुबह तकरीबन 8 बजे वह रेलवे ट्रैक बिरगहनी को पार कर रहा था तब एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस को मिलते ही मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर लिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फटार आरोपी गिरफ्तार

कोंडगांव। जिले के माकड़ी थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तमरावण्ड निवासी 21 वर्षीय तेमेश नेताम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की मां ने 7 अक्टूबर 2026 को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी नाबालिग को बल्ला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत के अनुसार, इस घटना के चलते पीड़िता गर्भवती हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को 24 अक्टूबर को न्यायालय में पेश किया, जहां उसे न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई।

रायगढ़ में 5.29 लाख का कबाड़ लोड ट्रक जब्त पुलिस को 17.650 टन स्कैप के दस्तावेज नहीं दिखा सका ड्राइवर, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस ने अवैध कबाड़ से भरा 12 चक्का ट्रक पकड़ा है। ट्रक में 17.650 टन कबाड़ लोड था, जिसकी कीमत 5 लाख 29 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है।

मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में बड़ी मात्रा में कबाड़ लोड कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तमनार चौक के पास घेराबंदी कर जांच शुरू की।

इस दौरान संदिग्ध ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर जांच की। चालक ने अपना नाम रमेश यादव (45), निवासी रसूलपुर, थाना सरायमीर, जिला आजमगढ़, उत्तर प्रदेश बताया।

पुलिस ने अवैध शराब जब्त की, युवक गिरफ्तार

जोधरा। मस्टूरी विकासखंड के थाना पचपेड़ी पुलिस ने अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई की। ग्राम चिल्हटी में बिक्री के लिए रखी 65 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की। एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस को 22 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना में कहा गया था कि चिल्हटी में अवैध बिक्री के लिए देशी शराब रखी है। पुलिस टीम गवाहों के साथ बताए गए स्थान पर पहुंची। घेराबंदी की। दबिश दी। कार्रवाई में राजा खान उर्फ साहिद (26 साल) निवासी ग्राम चिल्हटी, के कब्जे से 65 पाव देशी प्लेन शराब मिली। बिक्री की 150 रुपए की रकम भी मिली। जब शराब की कुल मात्रा 11.700 लीटर बताई गई। कीमत 5,200 रुपए बताई गई। पुलिस ने शराब और रकम जब्त की। आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 318/2026 दर्ज किया।

दुर्ग में मतपेटियां चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार बुजुर्ग महिलाओं से चेन लूटने के चार आरोपी पकड़े गए, सोना-वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले में चोरी और लूट की दो घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। निर्वाचन कार्यालय के गोदाम से 10 मतपेटियां चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, भिलाई में बुजुर्ग महिलाओं से चेन लूटने के दो मामलों में चार आरोपी पकड़े गए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सिटी कोतवाली पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर 2026 को निर्वाचन कार्यालय के गोदाम से 10 मतपेटियां गायब मिली थीं। इनकी कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई गई है। चौकीदार ने एक व्यक्ति को पेटी ले जाते देखा था। जांच के बाद पुलिस ने युशु यादव (22) और कबाड़ी देवानंद सोनी (65) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने देवानंद से पूछताछ के बाद उसके कब्जे से छह मतपेटियां बरामद कीं। घटना में इस्तेमाल ई-रिक्शा जिसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए



है, और 200 रुपए नकद भी जब्त किए गए। जब सामग्री की कुल कीमत 76,200 रुपए बताई गई है। चोरी हुई 10 मतपेटियों में से अभी छह ही बरामद हुई हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पता पूछने के बहाने बुजुर्ग महिला की चेन लूटी

दूसरा मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, 8 अक्टूबर

को पचनगर, भिलाई-3 निवासी एस. मुरली मनोहर (75) अपनी पत्नी एम. माधवी के साथ शिव मंदिर के पास कपड़े की दुकान से लौट रहे थे। इसी दौरान पता पूछने के बहाने आए आरोपियों ने उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन लूट ली और फरार हो गए।

रिपोर्ट पर पुरानी भिलाई थाने में अपराध क्रमांक 575/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। थाना



पुलिस और एसोसीयू की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना और पूछताछ के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में 13 जनवरी 2026 को इंदिरा नगर, भिलाई-3 में परमेश्वरी भवन के पास हुई चेन लूट की घटना की जानकारी भी सामने आई। इस मामले में 71 वर्षीय सावित्री ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया था कि सामान लेकर घर लौटते समय मोटरसाइकिल से आए लोगों में पीछे बैठे व्यक्ति ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली थी। इस

संबंध में पुरानी भिलाई थाने में अपराध क्रमांक 63/2026 दर्ज है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में लोगों को पता पूछने या दूसरे बहाने से रोककर महिलाओं के गले से आभूषण झपटने और बाद में उन्हें बेचने की जानकारी दी। डोंगरगढ़ और रायपुर के ज्वेलर्स को आभूषण बेचने और रकम आपस में बांटने के संबंध में भी तथ्य सामने आए हैं। पुलिस इन जानकारीयों और संबंधित साक्ष्यों की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

है। इनमें सूरज बड़ाईक (20), निवासी बापुनगर, खुर्सीपार; लक्ष्मण साहू (27), निवासी अहिंवारा; कुलदीप सिंह (24), निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जामुल; और दीप सिंह उर्फ दीपक (25), निवासी केवल्य धाम, कुम्हारी शामिल हैं।

आरोपियों की निशानदेही पर 19 ग्राम 410 मिलीग्राम गलाया हुआ सोना बरामद किया गया। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल एक एक्टिवा और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। चारों आरोपियों को 23 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय में पेश किया गया।

दोनों मामलों में 6 गिरफ्तार जांच जारी

पुलिस ने दोनों मामलों में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। निर्वाचन कार्यालय से चोरी हुई 10 मतपेटियों में से छह बरामद हुई हैं। वहीं, चेन लूट के मामलों में गलाया हुआ सोना और दो वाहन जब्त किए गए हैं। दोनों प्रकरणों में पुलिस की जांच जारी है।

कार-बाइक की भिड़ंत : महिला की मौत, युवक और दो बच्चे घायल श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बालोद-झलमला मुख्य मार्ग पर शनिवार को कार और बाइक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइक पर सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक युवक और दो बच्चे घायल हो गए। घटना हीरापुर मोड़ के पास की बताई जा रही है। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

मां और दो बच्चों को बाइक पर लेकर जा रहा था युवक

जानकारी के अनुसार, बाइक पर युवक अपनी मां और दोनों बच्चों को लेकर जा रहा था। इसी दौरान बालोद-झलमला मुख्य मार्ग पर हीरापुर मोड़ के पास उसकी बाइक को कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि बाइक पर सवार चारों लोग हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में महिला की मौत हो गई,



जबकि युवक और दोनों बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल युवक और दोनों बच्चों का इलाज जारी है। हादसे में जान गंवाने वाली महिला और घायल हुए सभी लोग ग्राम अंगारी के निवासी बताए जा रहे हैं। यह हादसा बालोद कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ है। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर मामले की जानकारी सामने आई है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और कार-बाइक की टक्कर कैसे हुई, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पुलिस की जांच के बाद हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा।

कोरबा-चांपा हाईवे पर दो हादसे : एक की मौत भीड़ में घुसी कार, आरक्षक समेत 6 लोग घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। चांपा हाईवे पर उरगा थाना क्षेत्र के नवलपुर के पास शनिवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में धनेश्वर श्रीवास की मौके पर ही मौत हो गई। सिर में गंभीर चोट लगने से उसने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर भीड़ में जा घुसी। इसकी चपेट में आने से छह लोग घायल हो गए। कार राष्ट्रीय राजमार्ग की गश्ती गाड़ी से टकराने के बाद रुकी। बताया जा रहा है कि यदि कार गश्ती वाहन से नहीं टकराती, तो हादसा और भी भीषण हो सकता था। जानकारी के अनुसार, कार ठठरी गांव के एक व्यक्ति की है। कार चला रहा व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंचा पुलिस विभाग का एक आरक्षक भी हादसे में घायल हो गया। धनेश्वर की मौत के



बाद घटनास्थल पर लोगों में आक्रोश फैल गया। इसी बीच कुछ लोगों ने दूसरी बाइक पर सवार युवक को पकड़कर पीट दिया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लगातार हुए हादसों और मारपीट के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। दशहरा पर्व के आयोजनों के कारण इन दिनों क्षेत्र में देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

रायगढ़ में जंगली सुअर का शिकार, तीन आरोपी गिरफ्तार वन विभाग ने 30किलो मांस समेत तराजू जब्त किया, बेचने की तैयारी कर रहे थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले के तिलगा के जंगल में जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी शिकार के बाद मांस बेचने की तैयारी कर रहे थे। टीम ने करीब 30 किलो मांस, दो कुल्हाड़ी और तराजू जब्त किया है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, तिलगा निवासी दिनबंधु राठिया, बालाराम राठिया और बादपाली निवासी सरमू राठिया ने मिलकर तिलगा के जंगल में जंगली सुअर का शिकार



किया था। शनिवार सुबह वे सुअर को दिनबंधु के घर ले आए। वहां मांस काटकर तौलने और बेचने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से वन विभाग की उड़नदस्ता टीम को सूचना मिली।

सूचना मिलते ही उड़नदस्ता के सहायक प्रभारी संदीप नामदेव, सोमेश टोप्पो, बोइरदादर परिसर रक्षक भूषण जांढड़े समेत अन्य

वनकर्मी मौके पर पहुंचे। टीम ने तीनों आरोपियों को मांस काटते और तौलते हुए पकड़ लिया। टीम ने करीब 30 किलो मांस, दो कुल्हाड़ी और तराजू जब्त कर रेंज कार्यालय पहुंचाया। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायिक रिमांड

पर जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि तिलगा, बादपाली और आसपास के जंगलों में शिकारी सक्रिय थे। इस क्षेत्र में लंबे समय से जंगली सुअर के शिकार की शिकायतें मिल रही थीं। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। रेंजर संजय लकड़ा ने बताया कि शिकारियों पर नजर रखी जा रही है। वन्यजीवों के शिकार की जानकारी मिलने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। तिलगा और बादपाली के तीन आरोपियों को जंगली सुअर के शिकार के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

750किलो पनीर नष्ट, ओडिशा सप्लाई करते पकड़ाई थी खेप, कानूनी कार्रवाई की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में खाद्य विभाग ने शनिवार को 750 किलो पनीर नष्ट कराया। यह पनीर मिलकी मलाई और मलाई मैजिक ब्रांड का था। जांच में दोनों ब्रांड का पनीर खाने योग्य नहीं पाया गया था। इसके बावजूद 44 दिन तक इसे नष्ट नहीं किया गया। ओडिशा सप्लाई करने के दौरान विभाग ने पनीर की खेप पकड़ी थी।

दोनों ब्रांड के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी भी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, 8 सितंबर को खाद्य विभाग ने रायपुर के जोरा के पास ओडिशा ले जाए जा रहे एक मालवाहक वाहन से पनीर की खेप जब्त की थी। इसके बाद पनीर के सैंपल जांच के लिए रायपुर की लैब भेजे गए। 12 सितंबर को आई जांच रिपोर्ट में दोनों ब्रांड के पनीर खाने योग्य नहीं पाए गए। इसके बाद खाद्य विभाग ने पनीर बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस निलंबित कर दिया था। जांच रिपोर्ट में पनीर खाने योग्य नहीं पाए जाने के बावजूद उसे 44 दिन तक नष्ट नहीं किया गया। इस दौरान पनीर बनाने वाली कंपनी ने सरकारी लैब की रिपोर्ट पर सवाल उठाते



हुए दोबारा जांच कराने की मांग की। इसके लिए पनीर का सैंपल नेशनल फूड लैब भेजा गया। कंपनी ने पनीर नष्ट करने के लिए आवेदन भी दिया था। इसके बाद खाद्य विभाग ने उरला स्थित फैक्ट्री में 750 किलो पनीर नष्ट करा दिया, ताकि इसका इस्तेमाल न हो सके और यह दोबारा बाजार में न पहुंचे।

खाद्य विभाग मिलकी मलाई और मलाई मैजिक ब्रांड के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इसके लिए प्रकरण तैयार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद कोर्ट में मामले की आगे की सुनवाई होगी।

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akshah Ganga,
Supela, Bhillai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhillai Nagar, Distt., Churg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर



मंत्री राजवाड़े के प्रयासों से छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवनों को मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत आधारभूत सुविधाओं के साथ जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को स्वीकृति मिली है। राज्य शासन ने इन भवनों के लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 22 हजार 500 रुपये जारी करने की सहमति भी दी गई है। नए भवन सूरजपुर जिले के भैयाथान और ओड़ुगी, रायगढ़ जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उमरू और भोपालपटनम में बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के विकास, स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके अधिकारों और हितों के संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाओं और सेवाओं का संचालन करता है। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन, विभागीय अमले के समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह स्वीकृति महिला एवं बाल विकास सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर आधारभूत सुविधा से विभागीय अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी।

बस्तर में वनोपज से सजी 20,700 वर्गफीट की भव्य रंगोली ने बनाया विश्व रिकार्ड, राष्ट्रपति ने की सराहना

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर जिले के जिला मुख्यालय जगदलपुर का लालबाग का मैदान शुक्रवार की सुबह एक अलग ही रंग ले चुका था। यहाँ मैदान का एक बड़ा हिस्सा कैनवास बन चुका था और उसमें वनोपज व अनाज रंग बन चुके थे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के बस्तर दशहरा के मौके पर बस्तर आगमन पर यह अनोखी और अद्वितीय कलाकृति वन विभाग की ओर से तैयार

कराई गई थी। 15 से अधिक वनोपज व अनाज का इस्तेमाल करते हुए 20,700 वर्गफीट क्षेत्रफल में सुंदर आकृतियाँ उकेरी गई थीं। इसका अवलोकन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं अन्य अतिथियों ने किया। वनोपज से रंगोली की विशिष्टता को देखते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से इस अद्भुत रंगोली को प्रमाणित भी किया गया।

गौरतलब है कि बस्तर दशहरा के दौरान पहली बार देश के प्रथम



नागरिक का आगमन माई दंतेश्वरी की धरा पर हुआ। वन विभाग ने बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं, प्राकृतिक संपदा तथा क्षेत्र की विकास यात्रा को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस रंगोली की खासियत वनवासियों द्वारा एकत्र किए गए वनोपज रहे, जिनका इस्तेमाल रंगोली में रंगों के रूप में किया गया था।

बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं, जनजातीय आस्थाओं और सामुदायिक सहभागिता के लिए जाना

जाता है। यह विशाल रंगोली बस्तर की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय समुदायों की सृजनशीलता और परंपरागत ज्ञान का प्रतीक है। वनोपज बस्तर के जनजातीय एवं वनवासी समुदायों की आजीविका, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है। वनोपज आधारित आजीविका के संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण तथा स्थानीय संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से क्षेत्र के समावेशी विकास की संभावनाओं को भी इस प्रस्तुति के माध्यम से रेखांकित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर बानबरद में पंडवानी महासम्मेलन का आयोजन

तीजन बाई के नाम पर इसी साल से लोककला अलंकरण की शुरुआत, पद्मविभूषण का गृहग्राम गनियारी बनेगा कला ग्राम

- पद्म विभूषण तीजन बाई की स्मृतियों को विरस्थायी बनाएगी राज्य सरकार
- महासम्मेलन में शामिल 70 दलों को 25-25 हजार की प्रोत्साहन राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोककला और संस्कृति की समृद्ध धरती है। हमारी लोककलाएं हमारे इतिहास, जीवन-मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। इन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार लोककलाओं के संरक्षण-संवर्धन के साथ कलाकारों को प्रोत्साहन और व्यापक मंच उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के अहिवाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बानबरद में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने प्रदेशभर से आए लोक कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी ने अनेक महान कलाकार दिए हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और साधना से प्रदेश की लोकसंस्कृति को देश-दुनिया में प्रतिष्ठित किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडवानी की महान लोक कलाकार पद्म विभूषण तीजन बाई का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्वितीय कला-साधना से छत्तीसगढ़ की पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। पंडवानी एक अनूठी लोकविधा है, जिसमें कलाकार



महाभारत की कथा और उसके विभिन्न पात्रों को अपने गायन, अभिनय और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से जीवंत कर देता है। तीजन बाई ने इस अद्भुत लोकविधा को दुनिया के अनेक मंचों तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजन बाई की स्मृतियों और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महत्वपूर्ण पहल कर रही है। उनके गृह ग्राम गनियारी को कला ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा तथा वहां के हाईस्कूल का नामकरण तीजन बाई के नाम पर करने की पहल की जाएगी। उन्होंने बताया कि तीजन बाई के नाम पर लोककला अलंकरण इसी

वर्ष से राज्योत्सव के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। यह अलंकरण उनकी अनुपम कला-साधना के प्रति सम्मान के साथ प्रदेश के लोक कलाकारों को अपनी परंपरागत कलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञानश्रोत कला मंच के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि किसी संस्था का लगातार 46 वर्षों तक लोककला और संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इस मंच ने छत्तीसगढ़ की लोककलाओं को जीवंत रखने, कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से मिली 5 लाख की मदद

रायपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत कोडगांव जिले के एक श्रमिक परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। जिला व तहसील कोडगांव के ग्राम सातगांव, नानीपदर निवासी श्री धनेश बघेल श्रम विभाग में इलेक्ट्रीशियन के रूप में पंजीकृत निर्माण श्रमिक थे। कार्यस्थल से घर लौटते के दौरान सड़क दुर्घटना में उनकी असामयिक निधन हो गया। उनकी पत्नी एवं उत्तराधिकारी श्रीमती शारदा बघेल को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

दवाएं सस्ती हों, ग्रामीणों तक पहुंचे इलाज नकली दवाओं पर लगे प्रभावी रोक - डेका



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ता इलाज, क्वालिटी दवाएं और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना देश की प्रमुख चुनौतियाँ हैं। इनके समाधान के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध करने और छत्तीसगढ़ की वनोपधियों के पारंपरिक ज्ञान को सामने लाने पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री डेका पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन एपिकॉन-2026 को संबोधित कर रहे थे। अधिवेशन का विषय 'फार्मा शिक्षक आत्मनिर्भर भारत के लिए फार्मासिस्ट तैयार करने का संकल्प' था। राज्यपाल ने कहा कि देश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण आबादी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना अब भी चुनौती है। दवाओं की कीमत आम आदमी की पहुंच में होनी चाहिए। चिकित्सकों को दवाएं लिखते समय मरीज की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए।

उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों को गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। भारतीय चिकित्सा परंपराओं में उपलब्ध जानकारी की

आधुनिक शोध के माध्यम से जांच कर उनकी उपयोगिता का आकलन करना जरूरी है।

नकली दवाओं को गंभीर खतरा बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन पर संकट पैदा होता है तथा चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। फार्मसी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और दवा उद्योग को दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने तथा मौलिक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों को महत्व देने की अपील की।

फार्मसी कार्डसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. मोटू एम. पटेल ने बताया कि बदलती तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप फार्मसी पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मेडिकल डिवाइस जैसे विषय शामिल किए गए हैं। उन्होंने अनावश्यक एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए देश के 42 स्थानों पर चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने विश्वविद्यालय में चल रहे शोध कार्यों का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ के वन आधारित औषधीय संसाधनों से नए उत्पाद विकसित करने और फार्मसी शोध को अन्य विज्ञान विषयों से जोड़ने की जरूरत बताई।

एपीटीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मिलिंद जनराव उमेकर ने संगठन की गतिविधियों और फार्मसी शिक्षकों के प्रशिक्षण, शोध तथा उद्योगों के साथ सहयोग बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी।

भारतीय शिक्षा मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री बी.आर. शंकरानंद ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शिक्षा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा को सामाजिक बदलाव और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण का माध्यम बनाया जाना चाहिए।

अधिवेशन में देशभर से लगभग 700 शिक्षक, 900 विद्यार्थी और फार्मसी, विपणन तथा उद्योग जगत से जुड़े करीब 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रामचंडी में पूजा अर्चना कर की खुशहाली एवं सुख समृद्धि की कामना



बसना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत ग्राम गढ़फुलझर में बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सर्वप्रथम गढ़फुलझर स्थित रामचंडी मंदिर पहुंचकर मां रणेश्वर रामचंडी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां रामचंडी से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति के साथ प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद धर्मद प्रधान, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक संत अग्रवाल सहित बाबा बिसाशहे कुल कोलता समाज के पदाधिकारी, समाजजन एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जनजातीय कला, संस्कृति और हुनर के लिए ‘आदि बाजार’

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जनजातीय कार्य मंत्री रामविचार नेताम ने राजधानी रायपुर के टाउन हॉल में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्रायफेड) द्वारा आयोजित ‘आदि बाजार 2026’ का शुभारंभ किया। जनजातीय कला, संस्कृति, पारंपरिक शिल्प करने के उद्देश्य से आयोजित यह बाजार 2 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस आयोजन के माध्यम से विभिन्न राज्यों के जनजातीय शिल्पकारों, कारीगरों और कलाकारों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया गया है।

मंत्री श्री नेताम ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की कला, संस्कृति और पारंपरिक हुनर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अनमोल धरोहर हैं। जनजातीय कारीगरों के उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराना उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आदि बाजार जैसे आयोजनों से जनजातीय शिल्पकारों और कारीगरों की मेहनत को उचित मूल्य मिलने के साथ ही उनके उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी होता है। इस प्रकार के आयोजन से जनजातीय



समुदायों के बीच आपसी जुड़ाव मजबूत होता है

श्री नेताम ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों और शिल्पकारों को एक मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलना अत्यंत प्रसन्नहरी है। इससे न केवल पारंपरिक कला और शिल्प को नई पहचान मिलती है, बल्कि विभिन्न राज्यों के कारीगरों को एक-दूसरे की

कला, तकनीक और हुनर को जानने तथा सीखने का अवसर भी प्राप्त होता है।

श्री नेताम ने कहा कि जनजातीय कारीगरों के उत्पादों को व्यापक बाजार और बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि कारीगरों को उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिल सके।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आदि बाजार 2026 जनजातीय शिल्पकारों के

उत्पादों को नई पहचान दिलाने और उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर उपर प्रधान वन संरक्षक संगीता गुप्ता, ट्रायफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक संधीप शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, विभिन्न विधाओं के शिल्पकार, कारीगर एवं जनजातीय कलाकार बड़ी संख्या में उपस्थित थे।